श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2024
डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (AKTU), लखनऊ

शिक्षक दिवस 5 सितंबर 2024 के शुभ अवसर पर, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) विशाल सिंह चंदेल और विद्युत अभियंत्रण विभाग, राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबेडकर नगर के डॉ. एस.पी. सिंह, सह आचार्य, विद्युत अभियंत्रण विभाग को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम **प्राविधिक** विश्वविद्यालय (AKTU), लखनऊ द्वारा श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है।

यह पुरस्कार समारोह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें एकेटीयू के माननीय कुलपति, प्रो-वाइस चांसलर, संकाय के डीन (इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी) और एकेटीयू से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों के निदेशक उपस्थित थे। ये पुरस्कार, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किए गए।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम **प्राविधिक** विश्वविद्यालय (AKTU), लखनऊ से संबद्ध संस्थानों के कुल नौ संकाय सदस्यों को श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कारों के लिए चयनित किया गया था, जिनमें से दो श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार-2024 राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबेडकर नगर के संकाय सदस्यों को प्राप्त हुए।

डॉ. विशाल सिंह चंदेल
आचार्य
अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं मानविकी विभाग
राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबेडकर नगर

डॉ. एस.पी. सिंह
सह आचार्य
विद्युत अभियंत्रण विभाग
राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, अंबेडकर नगर

शिक्षक

शिक्षक सम्मान

शिक्षक सम्मान समारोह
जे.पी. पाण्डेय

शिक्षक सम्मान समारोह
शिक्षक दिवस

शिक्षक सम्मान समारोह
शिक्षक दिवस

शिक्षकों को नई तकनीकी से रहना होगा अपग्रेड

लखनऊ,लोकसत्य। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में गुरूवार को पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णनन की जयंती पर शिक्षक दिवस समारोह हुआ। विश्वविद्यालय से संबद्ध संस्थानों के नौ शिक्षकों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान दिया गया।

पिछले सत्र में सेवानिवृत्त हुए शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो जेपी पांडेय ने कहा कि क्लासरूम में पढ़ाने वाला ही सिर्फ शिक्षक नहीं होता। जिससे भी शिक्षा मिले वह शिक्षक हो सकता है। एक बच्चे से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने शिक्षकों के सामने वर्तमान में अवसर और चुनौतियों को रेखांकित किया। कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सबसे ज्यादा चुनौतियां शिक्षकों के सामने है।

एक शिक्षक के रूप में खुद को स्थापित करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए शिक्षक को इनोवेटिव टीचिंग करनी होगी। क्योंकि आज का छात्र बहुत कुछ जानता है। वह तकनीकी में काफी दक्ष होता है। तकनीकी का प्रयोग कर वह क्लासरूम में पढ़ाई करने से पहले ही बहुत कुछ जानता है।

Lucknow 06-09-2024
http://epaper.loksatya.com/
लोकसत्य